चारुमति रामचन्द्रन
अकादेमी पुरस्कारः कर्नाटक गायन संगीत

CHARUMATHI RAMACHANDRAN
Akademi Award: Carnatic Vocal

तमिलनाडु के चेन्नई में 14 जुलाई 1951 को जन्मी, श्रीमती चारुमति रामचन्द्रन ने श्रीमती एम. एल. वसंतकुमारी से कर्नाटक संगीत का प्रशिक्षण प्राप्त किया। बाद में आपने श्री कृष्णन और श्री डी. के. जयरमन के संरक्षण में अपनी कला को निखारा। श्रीमती डी. के. पट्टम्मल से दीक्षितार–कृति का उन्नत प्रशिक्षण प्राप्त करने का सौभाग्य भी आपको मिला है। श्रीमती रामचंद्रन ने श्रीमती टी. बृंदा से वीणा वादन और श्रीमती टी. मुक्ता के मार्गदर्शन में पदम और जवाली भी सीखी है।

संस्कृति विभाग, भारत सरकार से आपको छात्रवृत्ति मिल चुकी है। आप आकाशवाणी और दूरदर्शन की 'ए' श्रेणी की कलाकार हैं। आपने देश–विदेश के विभिन्न प्रतिष्ठित संगीत समारोहों में अपनी प्रस्तुतियाँ दी है। आपने देश–विदेश में संगीत विषयक कई कार्यशालाओं और संगोष्ठियों का आयोजन किया है और संगीत में कई छात्रों को प्रशिक्षित भी किया है।

कर्नाटक संगीत के क्षेत्र में योगदान के लिए आपको अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कई सांस्कृतिक संस्थानों द्वारा प्रतिष्ठित उपाधियों और पुरस्कारों से सम्मानित किया गया है, जिनमें तमिलनाडु सरकार द्वारा दिया गया कलईमामणि और क्लीवलैंड त्यागराज फेस्टिवल द्वारा संगीत कला सागरम पुरस्कार प्रमुख हैं।

श्रीमती चारुमति रामचन्द्रन को कर्नाटक गायन संगीत में योगदान के लिए वर्ष 2019 के संगीत नाटक अकादेमी पुरस्कार से सम्मानित किया जाता है।

Born on 14 July 1951 at Chennai in Tamil Nadu, Shrimati Charumathi Ramachandran received her training in music from M.L. Vasanthakumari and later groomed her passion under the tutelage of Ramnad Sri Krishnan and D.K. Jayaraman. She was also fortunate to receive advanced training in Dikshitar-Kritis from D.K. Pattammal. Shrimati Ramachandran also learnt the Veena from T. Brinda, and Padam and Javali under the tutelage of T. Muktha.

A recipient of scholarship from the Department of Culture, Government of India, and a 'Top' grade artist of All India Radio and Doordarshan, she has performed in many prestigious music festivals around the world. She has conducted many workshops and seminars of music in India and abroad and has trained many students.

For her contribution in the field of Carnatic vocal music, she has been honoured with many prestigious titles and awards from several cultural institutions internationally. These include the Kalaimamani of the Government of Tamil Nadu in 2006, and the Sangeetha Kala Saagaram by Cleaveland Tyagaraja Festival.

Shrimati Charumathi Ramachandran receives the Sangeet Natak Akademi Award for the year 2019 for her contribution to Carnatic vocal music.